


(नियम 26)

जज अदालत उपलब्ध अधिकारी मुकाम हुंडर
 विश्वनाथ पुर नेगरासु मेघवाल बनाम नरमीलदा (पु.क.) हुंडर
 किस्म मुकदमा जा०-प० रि० का० पु० नं. 36 सन 2024

तारीख हुम	हुम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जे इस हुम की तामील में जारी हु
13/3/24	<p>आज यह प्रथिना-पत्रा वाद जांच रहलीकार हुंडर में स प्रप्ट होने पर आदेश में लिया जाकर - अवलोकन किया गया। जा०-प० के अनुसार प्रथी आपना नाम सुवालाल के स्थान पर विश्वनाथ पु० कलाने कर निवेदन किया गया है। प्रथिना-पत्रा की जांच के बाबत रिपोर्ट रहलीलदा के अनुसार जम मौरासु के नामक स० ७ में नेरापुर उदा फौज होने पर इनके वारिसान नारासु, मातुरासु नेगरासु मजराज- लाल, सुवालाल पु० नेरासु रि० का० के चला आर है प्रथिना-पत्रा में वजिह प्रथी मलगन दल्लावेज व जांच रिपोर्ट रहलीलदा के अवलोकन में प्रथी का-प० प्रोत्तकीय गली है कि प्रथी द्वारा आपका पूरा नाम की पुस्तकी चली गई है जो परिचे नामा लव के द्वारा प्रथी का नाम सुवालाल दर्ज किया गया। इस प्रकार लिपिकीय या अन्य त्रुटियां कर लेनी परकारों की सहमति से पुस्तक किया जा सकता है नरमीलदा के प्रप्ट रिपोर्ट रि० का० 15/2/24 में अपापीजय को पुने कौर प्रथी की गई है इससे स्पष्ट है कि धारा 136 भा सिपम के इन्दाज पुस्तकी सम्बन्धी अवधार को पालन नहीं की गई है अब प्रथी का प्रथिना-पत्र 2 मी 68 प्रप स्थापित किया जात है जा०-प० दर्ज रहलिय रोकट - कमल सुगा दो एड काड नरमील दा रि० का० दर्ज है। आदेश शुका गया।</p>	


 नारासु अधिकारी
 हुंडर (पु०)

